

6/11/24 पत्रावली पेश हुई। जारी था 340
 परन्तु शाकीय आदेश में दिनांक
 18/11/24 को पेश के

18/11/24 पत्रावली पेश हुई। जारी थी।
 उपरोक्त पत्रावली इन्टरनेट की पालना
 इन्टरनेट हेतु दिनांक 28/11/24 को
 पेश की।

28/11/24 - पत्रावली पेश हुई। जारी था 340
 परन्तु शाकीय आदेश में दिनांक 9/12/24
 को पेश के

9/12/24 पत्रावली पेश हुई। आज स्थायी वार
 एसोसियेशन का कार्य संपन्न किया हुआ
 है। पीठासीन अधिकारी अन्य राजकीय कार्य
 में व्यस्त है। पत्रावली सादिक आदेश
 दिनांक 24/12/24 को पेश हो।

आज्ञा से रीडर

24/12/24 पत्रावली पेश हुई। जारी गण अनुपस्थित।
 प्रोकर सकार उपरोक्त प्रोकर सकार गरा
 जवाब पेश किया गया, शा. मि. किया गया।
 प्रोकर सकार गरा उपरोक्त जवाब के अनुसार
 इन्टरनेट जर्नल पत्र सं. 34/07 में मातृगीण
 न्यायालय द्वारा पत्रित निर्णय के अनुसार
 न्यायालय सं. 4826 निर्णय दिनांक 21/6/2007
 के स्वीकृत लेकर पालना शुरू हो चुकी है। उपरोक्त
 दस्तावेजों जवाब का अवलोकन किया गया।
 उपरोक्त में मातृगीण न्यायालय द्वारा वार सं. 34/07
 28/2/2006 में जारी निर्णय की पालना हो चुकी
 है। अतः जारी गण गरा उपरोक्त दिनांक 31/1/2007
 पत्र सं. 34/07 अनुसार आदेश 21 निर्णय 11 वा.
 दीवानी के निर्णय किया जाता है। निर्णय से उपरोक्त
 पत्रावली पत्रावली पत्रावली पत्रावली पत्रावली पत्रावली
 पत्रावली पत्रावली पत्रावली पत्रावली पत्रावली पत्रावली